an>

Title: Regarding use of NIC E-mail-id in the Government offices by the officers.

श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत (जोधपुर) : अध्यक्ष महोदया, मैं आपका और आपके माध्यम से सरकार का ध्यान एक अति महत्वपूर्ण विषय पर आकृष्ट करना चाहता हूँ। ई-क्रांति के बाद में ई-मेल के द्वारा कनवर्ज़ेशन, ई-मेल वार्तालाप और ई-मेल काग़ज़ों का आदान-प्रदान बहुत कॉमन हो गया है। भारत सरकार ने भी अपनी ई-मेल पॉलिसी की गाइडलाइंस अक्टूबर, 2014 में विभिन्न सरकारी अधिकारियों के लिए जारी की थी कि सारे सरकारी अधिकारी अपने सरकारी कामकाज का ई-मेल का आदान-प्रदान थ्रू एनआईसी की साइट करें। ऐसा संज्ञान में आया है कि अभी भी अनेक सरकारी अधिकारी अपने सरकारी कामकाज में जीमेल या याहू का एकाउंट यूज़ कर रहे हैं। अनेक सरकारी दफ्तरों की वेबसाइट्स में भी यदि देखा जाए तो अधिकारियों के कांटैक्ट लिस्ट में जो ई-मेल दिया गया है, वह याहू और जीमेल या अन्य एड्रेस दिए गए हैं। इन सब कारणों से सारा कनवर्सेशन हैक होने या उसके मिसयूज़ होने की संभावनाएं बनी रहती हैं।

महोदया, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए यह निवेदन करना चाहता हूँ कि भारत सरकार ने जो अक्टूबर, 2014 में गाइडलाइन जारी की है, उसका इनफोर्समेंट पूरी तरीके से हो। इस दिशा में काम किया जाए ताकि देश की किसी भी आधिकारिक सूचना का मिसयूज़ न हो सके। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष :

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

श्री सी.आर.चौधरी,

श्री अर्जुन लाल मीणा,

श्री केशव प्रसाद मौर्य और

श्री सुखबीर सिंह जौनापुरिया को श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत जी द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।